स्वास्थ्य एवं
परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

क्रीमियन–कांगो रक्तस्रावी बुखार (CCHF)

कांगो फीवर क्या है?

कांगो फीवर एक व्यापक वायरल बीमारी है जो मुख्य रूप से टिक्स, (एक विशेष प्रकार की किलनी) और जानवरों से लोगों को फैलता है।

यह किलनी पशुओं की त्वचा से चिपके रहते हैं जो इस रोग के वाहक है और इन्हीं के जरिए एक पशु से दूसरे पशुओं में भी यह बीमारी फैलती है।

यह बीमारी
गुजरात, राजस्थान
में पाई गई है।

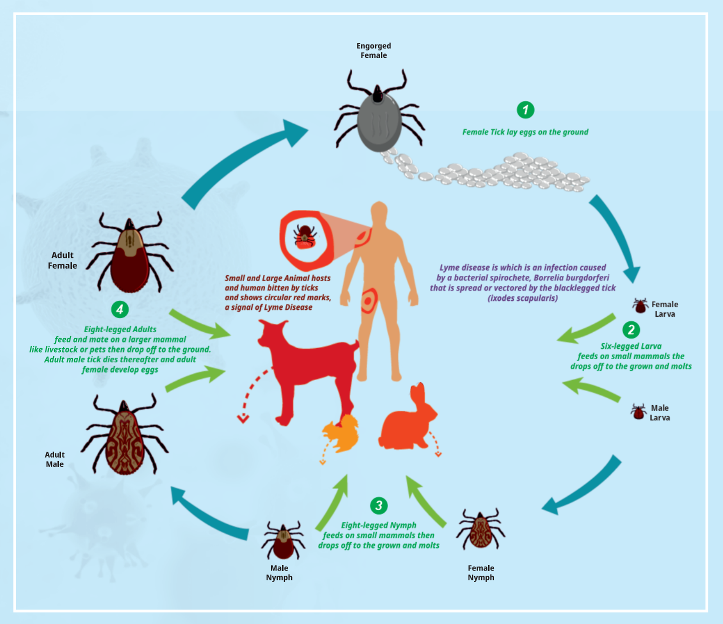

मनुष्य में कांगो फीवर संक्रमण कैसे फैलता है?

- संक्रमित पशुओं के संपर्क द्वारा
- संक्रमित पशुओं के रक्त अथवा मांस के संपर्क में आने से
- संक्रमित किलनी के काटने या कुचले हुए टिक के संपर्क में आने से
- कांगो फीवर संक्रमित मनुष्य के खून व रक्त स्त्राव के संपर्क में आने से

कांगो फीवर किन पशुओं को संक्रमित कर सकता है?

संक्रमित किलनी के काटने से,
जानवर जैसे गाय, भैंस,
बकरी, भेड़, ऊंट, खरगोश,
चूहे, एवं कुत्ता इत्यादि

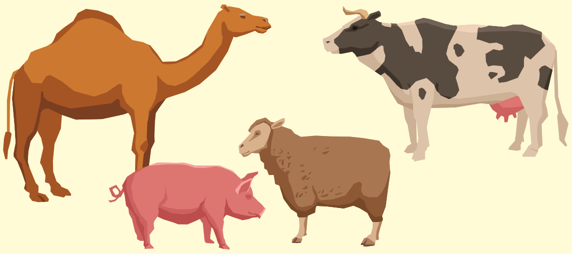

कांगो फीवर से किन्हें ज्यादा खतरा है?

- पशुधन उद्योग में शामिल हुए लोग, बूचड़खाने के कर्मचारी कृषि श्रमिक और पशु चिकित्सक,
- गाय, भैंस, बकरी, भेड़ एवं कुत्ता आदि के संपर्क में आने से
- कांगो फीवर के मरीजों को सेवा प्रदान करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को

कांगो फीवर के लक्षण क्या हैं?

अचानक बुखार

मांसपेशियों में दर्द

उल्टी, दस्त

चक्कर आना

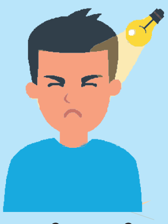
प्रकाश की असहनीयता

चकत्ते

नाक, मल या मसूड़ों से रक्तस्त्राव

कांगो फीवर होने का संदेह कब करें?

बीमारी के लक्षण दिखने पर

लक्षण की शुरुआत से पहले किलनी काटने का इतिहास

रक्त या अन्य जैविक तरल पदार्थों के संपर्क का इतिहास

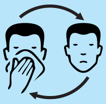
संदिग्ध कांगो फीवर रोगी के संपर्क में आने का इतिहास

कितनी खतरनाक है यह बीमारी?

उचित समय पर बीमारी का उपचार न होने पर ये बीमारी घातक साबित हो सकती है इस बीमारी से बचने के लिए मनुष्य या पशुओं के लिए कोई टीका उपलब्ध नही है

कांगो फीवर की रोकथाम और नियंत्रण के लिए क्या करें?

पशु–से–मानव संचरण के जोखिम को कम करें:

- जानवरों के साथ काम करते समय शरीर को पूरी तरह से ढकने वाले हल्के रंग के कपड़े पहनें ताकि कपड़ों पर किलनी आसानी से दिखें
- त्वचा और कपड़ों पर कीट विकर्षक का उपयोग करें
- नियमित रूप से कपड़े और त्वचा को टिक्स के लिए जांच करें और यदि मिले, तो उन्हें सुरक्षित रूप से हटा दें
- बूचड़खाना, पशु शेड और कसाई खाना कि साफ–सफाई की प्रक्रियाओं के दौरान सुरक्षात्मक कपड़े पहनें
- नियमित रूप से पशु शेड और घरेलू जानवरों में टिक विकर्षक का इस्तेमाल करके टिक नियंत्रण करें

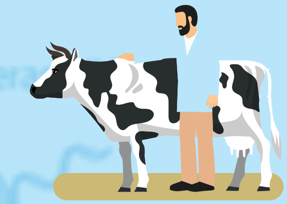

मानव–से–मानव संचरण के जोखिम को कम करें:

- कांगो फीवर संक्रमित लोगों के साथ शारीरिक संपर्क से बचें
- कांगो फीवर से बीमार लोगों की देखभाल करते समय दस्ताने, मास्क इत्यादि जैसे सुरक्षात्मक उपकरण पहनें और संपर्क में आने के बाद नियमित रूप से हाथ धोएं

स्वस्थ पशुधन स्वस्थ मानव जीवन

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें।

www.mohfw.nic.in
www.mygov.in
www.pmindia.gov.in

YouTube mohfwindia
@MoHFW_INDIA

http://ncdc.gov.in/
@director_NCDC

राष्ट्रीय 'एकीकृत स्वास्थ्य' पशुजन्य रोग नियंत्रण कार्यक्रम